



Microfinance Institutions Network (MFIN)

Adhikar Microfinance case study

Coverage Report

May 2019

Media Coverage Index

S. No.	Publication Name	Media
1.	Amrit Sandesh	Print
2.	Aaj ki Jandhara	Print
3.	Dabang Dunia	Print
4.	Central Chronicle	Print
5.	Hitavada	Print
6.	Pratidin Rajdhani	Print
7.	Kuber Bhoomi	Print
8.	Vishwa Pariwar	Print
9.	Samvet Shikar	Print

Publication	Amrit Sandesh
Edition	Chhattisgarh (Jagdalpur)
Date	10 th May, 2019
Page No.	09

माइक्रो फाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

■ जगदलपुर, 9 मई (असं)।

लक्ष्मी ठाकुर बस्तर जिले के तितिरगांव में हल्बापारा कालीपुर की निवासी हैं और स्टेशनरी एवं टेलरिंग का कारोबार चलाती हैं। अपने पति से अलग होने के बाद लक्ष्मी को आर्थिक तंगी से जूझना पड़ा। टेलरिंग के छोटे से कारोबार से कमाई बहुत कम होती थी, ऐसे में अपनी जरूरतों को पूरा करना और अपने बच्चे को अच्छी शिक्षा देना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। वह अपना कारोबार बढ़ाना चाहती थीं, लेकिन पैसे की कमी के चलते ऐसा नहीं कर पा रही थीं। तभी उनके एक दोस्त ने उनके क्षेत्र में काम करने वाली एक नॉन-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी माइक्रोफाइनेन्स इन्स्टीट्यूशन-अधिकार माइक्रोफाइनेन्स के बारे में

जानकारी दी। ऋण अनुमोदन की पारदर्शी प्रक्रिया को समझने के बाद वे तुरंत इस ग्रुप के साथ जुड़ गईं। उन्होंने सबसे पहले रु 20000 का ऋण लिया और अपना कारोबार बढ़ाया। लक्ष्मी को अधिकार ग्रुप की ओर से वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण प्रोग्राम में हिस्सा लेने का मौका मिला, जिससे वे धन के बेहतर प्रबंधन के बारे में सीख पाईं। आज वे एक बेहतर जीवन जी रही हैं और अधिकार से एक और ऋण लेकर उन्होंने अपना टेलरिंग का कारोबार बढ़ा लिया है।

लक्ष्मी की तरह कई और महिलाएं हैं जो अधिकार माइक्रो फाइनेन्स के साथ जुड़ने के बाद लाभान्वित हुई हैं। कंपनी छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तीकरण में मुख्य भूमिका निभा रही है।

Publication	Aaj ki Jandhara
Edition	Chhattisgarh (Jagdalpur)
Date	10 th May, 2019
Page No.	04

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

जगदलपुर। लक्ष्मी ठाकुर बस्तर जिले के तितरगांव में हल्बापारा कालीपुर की निवासी हैं और स्टेशनरी एवं टेलरिंग का कारोबार चलाती हैं। अपने पति से अलग होने के बाद लक्ष्मी को आर्थिक तंगी से जूझना पड़ा। टेलरिंग के छोटे से कारोबार से कमाई बहुत कम होती थी, ऐसे में अपनी जरूरतों को पूरा करना और अपने बच्चे को अच्छी शिक्षा देना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। वह अपना कारोबार बढ़ाना चाहती थीं, लेकिन पैसे की कमी के चलते ऐसा नहीं कर पा रही थीं। तभी उनके एक दोस्त ने उनके क्षेत्र में काम करने वाली एक नॉन-बैंकिंग फाइनेशियल कंपनी माइक्रोफाइनेन्स इन्स्टीट्यूशन-अधिकार माइक्रोफाइनेन्स के बारे में जानकारी दी। ऋण अनुमोदन की पारदर्शी प्रक्रिया को समझने के बाद वे तुरंत इस रूप के साथ जुड़ गईं। उन्होंने सबसे पहले रु 20000 का ऋण लिया और अपना कारोबार बढ़ाया। लक्ष्मी को अधिकार रूप की ओर से वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण प्रोग्राम में हिस्सा लेने का मौका मिला, जिससे वे धन के बेहतर प्रबंधन के बारे में सीख पाईं। आज वे एक बेहतर जीवन जी रही हैं और अधिकार से एक और ऋण लेकर उन्होंने अपना टेलरिंग का कारोबार बढ़ा लिया है।

लक्ष्मी की तरह कई और महिलाएं हैं जो अधिकार माइक्रोफाइनेन्स के साथ जुड़ने के बाद लाभान्वित हुई हैं। कंपनी छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तीकरण में मुख्य भूमिका निभा रही है। लोगों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर अधिकार 2.5 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुकी है।

Publication	Dabang Dunia
Edition	Chhattisgarh (Jagdalpur)
Date	10 th May, 2019
Page No.	04

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

जगदलपुर। लक्ष्मी ठाकुर बस्तर जिले के तितिरगांव में हल्बापारा कालीपुर की निवासी हैं और स्टेशनरी एवं टेलरिंग का कारोबार चलाती हैं। अपने पति से अलग होने के बाद लक्ष्मी को आर्थिक तंगी से जूझना पड़ा। टेलरिंग के छोटे से कारोबार से कमाई बहुत कम होती थी, ऐसे में अपनी जरूरतों को पूरा करना और अपने बच्चे को अच्छी शिक्षा देना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। वह अपना कारोबार बढ़ाना चाहती थीं, लेकिन पैसे की कमी के चलते ऐसा नहीं कर पा रही थीं। तभी उनके एक दोस्त ने उनके क्षेत्र में काम करने वाली एक नॉन-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी

माइक्रोफाइनेन्स इन्सटीट्यूशन- अधिकार माइक्रोफाइनेन्स के बारे में जानकारी दी। ऋण अनुमोदन की पारदर्शी प्रक्रिया को समझने के बाद वे तुरंत इस ग्रुप के साथ जुड़ गईं। उन्होंने सबसे पहले रु 20000 का ऋण लिया और अपना कारोबार बढ़ाया। लक्ष्मी को अधिकार ग्रुप की ओर से वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण प्रोग्राम में हिस्सा लेने का मौका मिला, जिससे वे धन के

बेहतर प्रबंधन के बारे में सीख पाईं। आज वे एक बेहतर जीवन जी रही हैं और अधिकार से एक और ऋण लेकर उन्होंने अपना टेलरिंग का कारोबार बढ़ा लिया है।

लक्ष्मी की तरह कई और महिलाएं हैं जो अधिकार माइक्रो फाइनेन्स के साथ जुड़ने के बाद लाभान्वित हुई हैं। कंपनी छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तीकरण में मुख्य भूमिका निभा रही है। लोगों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर अधिकार 2.5 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुकी है। हाल ही में हुए एक मूल्यांकन के अनुसार यह संगठन 25,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को अपनी सेवाएं प्रदान कर चुका है और तीन राज्यों- उड़ीसा, गुजरात, छत्तीसगढ़ एवं आसाम के 22 जिलों में संवेदनशील परिवारों को अपनी सेवाएं प्रदान कर चुका है। कंपनी वर्तमान में 1000 करोड़ रु से अधिक का कुल ऋण वितरित कर चुकी है और उन लोगों को वित्तीय सेवाओं से लाभान्वित कर चुकी है जो आज भी बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं।

Publication	Central Chronicle
Edition	Chhattisgarh (Jagdalpur)
Date	10 th May, 2019
Page No.	13

Financial literacy lends support to women entrepreneurs

Jagdalpur, May 09:

Laxmi Thakur is a resident of Halbapara Kalipur in Titirgaon of Bastar district and successfully runs a stationary cum tailoring business. After separation from her husband, Laxmi had to undergo financial hardship in her life. With meagre income from a small tailoring business, it was difficult for her to make both ends meet and provide her child good education.

She wanted to expand her business but was unable to do so due to unavailability of funds. One of her friends introduced her to Adhikar microfinance, Non-Banking Financial Company-Microfinance Institution (NBFC-MFI) working in her area.

Realizing its transparent and simple process of loan sanctioning, she immediately joined the group. She borrowed her first loan of Rs 20000 and set up the business to expand her business. Laxmi also benefited from the finan-

cial literacy training provided by Adhikar that helped her in learning better management of money. Today, she leads a better life and dreams of establishing a separate tailoring enterprise with further loan from Adhikar.

Similar to Laxmi, many women have benefited from association with Adhikar microfinance. The company plays an important role in the woman empowerment in Chhattisgarh.

In its endeavour to provide easy access to financial services to its clients Adhikar microfinance has impacted over 2.5 lakh lakh lives. As per recent assessment, the organization has served more than 25,000 Self Help Groups, reaching out to vulnerable households spreading across 22 districts of three states- Odisha, Gujarat, Chhattisgarh and Assam. The Company has cumulatively disbursed more than Rs 1000 crores to the underbanked and underserved poor who are away

from formal banking system.

According to Microfinance Institutions Network, a self-regulatory organisation and an industry association of micro-finance industry in India, women constitute 99% of micro-credit beneficiaries in the country. Microfinance institutions such as NBFC-MFIs are working towards providing an easy access to financial services to underserved and unbanked population in India.

NBFC-MFIs are the only regulated financial institutions in the country which give unsecured loans to the borrowers from low income households. These institutions fill an unfunded credit gap for women who do not have the wherewithal to provide collateral or security of any sort. The aim of NBFC-MFIs is to build sustainable livelihoods. Through providing last mile financial services even to clients in remote rural areas, these institutions promote the Government's financial inclusion agenda.

Publication	Hitavada
Edition	Chhattisgarh (Jagdalpur)
Date	10 th May, 2019
Page No.	04

Microfinance lends a support to women entrepreneurs

■ **Staff Reporter**

RAIPUR, Mar 9

LAXMI Thakur, a resident of Halbapara Kalipur in Titirgaon of Bastar district successfully runs a stationary-cum-tailoring business. The financial support extended by Adhikar Finance, Non-Banking Financial Company-Microfinance Institution (NBFC-MFI) held in supporting her in dire conditions.

After separation from her husband, Laxmi had to undergo financial hardship and with meagre income from a small tailoring business, it was difficult for her to make both ends meet and provide her child good educa-

tion. She was introduced to Adhikar Microfinance, NBFC-MFI working in her area. Realizing its transparent and simple process of loan sanctioning, she borrowed her first loan of Rs 20,000 and expanded her business. She was also benefited from the financial literacy training provided by Adhikar.

Today, she leads a better life and dreams of establishing a separate tailoring enterprise with further loan from Adhikar.

Similar to Laxmi, many women have benefited from association with Adhikar microfinance.

The company plays an important role in the woman empowerment in Chhattisgarh.

Publication	Pratidin Rajdhani
Edition	Chhattisgarh (Jagdalpur)
Date	10 th May, 2019
Page No.	08

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

प्रतिदिन नेटवर्क, जगदलपुर
लक्ष्मी ठाकुर बस्तर जिले के तितिरगांव में हल्बापारा कालीपुर की निवासी हैं और स्टेशनरी एवं टेलरिंग का कारोबार चलाती हैं। अपने पति से अलग होने के बाद लक्ष्मी को आर्थिक तंगी से जूझना पड़ा। टेलरिंग के छोटे से कारोबार से कमाई बहुत कम होती थी, ऐसे में अपनी ज़रूरतों को पूरा करना और अपने बच्चे को अच्छी शिक्षा देना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। वह अपना कारोबार बढ़ाना चाहती थीं, लेकिन पैसे की कमी के चलते ऐसा नहीं कर पा रही थीं। तभी उनके एक दोस्त ने उनके क्षेत्र में काम करने वाली एक नॉन-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी

माइक्रोफाइनेन्स इन्स्टीट्यूशन-अधिकार माइक्रोफाइनेन्स के बारे में जानकारी दी। ऋण अनुमोदन की पारदर्शी प्रक्रिया को समझने के बाद वे तुरंत इस ग्रुप के साथ जुड़ गईं। उन्होंने सबसे पहले रु 20000 का ऋण लिया और अपना कारोबार बढ़ाया। लक्ष्मी को अधिकार ग्रुप की ओर से वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण प्रोग्राम में हिस्सा लेने का मौका मिला, जिससे वे धन के बेहतर प्रबंधन के बारे में सीख पाईं। आज वे एक बेहतर जीवन जी रही हैं और अधिकार से एक और ऋण लेकर उन्होंने अपना टेलरिंग का कारोबार बढ़ा लिया है।

लक्ष्मी की तरह कई और महिलाएं हैं जो अधिकार माइक्रो



MICROFINANCE INSTITUTIONS NETWORK

फाइनेन्स के साथ जुड़ने के बाद लाभान्वित हुई हैं। कंपनी छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तीकरण में मुख्य भूमिका निभा रही है। लोगों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर अधिकार 2.5 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुकी है। हाल ही में हुए एक मूल्यांकन के अनुसार यह संगठन 25,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को अपनी सेवाएं

प्रदान कर चुका है और तीन राज्यों— उड़ीसा, गुजरात, छत्तीसगढ़ एवं आसाम के 22 जिलों में संवेदनशील परिवारों को अपनी सेवाएं प्रदान कर चुका है। कंपनी वर्तमान में 1000 करोड़ रु से अधिक का कुल ऋण वितरित कर चुकी है और उन लोगों को वित्तीय सेवाओं से लाभान्वित कर चुकी है जो आज भी बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं।

एक स्व-विनियामक संगठन तथा माइक्रो-फाइनेन्स उद्योग के औद्योगिक संगठन, माइक्रो-फाइनेन्स इन्स्टीट्यूशन नेटवर्क के अनुसार महिलाएं देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों का 99 फीसदी हिस्सा बनाती हैं। सूक्ष्म ऋण उपलब्ध कराने

वाले संस्थान जैसे एनबीएफसी, बैंक, एनबीएफसी-एमएफआई, छोटे फाइनेन्स बैंक आदि भारत के उन समुदायों के आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं जो आज भी बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं।

यह संस्थान महिलाओं के लिए ऋण की अनुपलब्धता की समस्या को दूर करते हैं, जिनके पास ऋण लेने के लिए किसी सिक्योरिटी या गिरवी रखने के लिए किसी तरह की सम्पत्ति नहीं होती। इस तरह दूर-दराज के ग्रामीण इलाकों के ग्राहकों को आसान फाइनेन्शियल सेवाएं उपलब्ध कराकर ये संस्थान सरकार के वित्तीय समावेशन एजेंडा को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

Publication	Kuber Bhoomi
Edition	Chhattisgarh (Jagdalpur)
Date	10 th May, 2019
Page No.	02

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

जगदलपुर। लक्ष्मी ठाकुर बस्तर ज़िले के तितिरगांव में हल्बापारा कालीपुर की निवासी हैं और स्टेशनरी एवं टेलरिंग का कारोबार चलाती हैं। अपने पति से अलग होने के बाद लक्ष्मी को आर्थिक तंगी से जूझना पड़ा। टेलरिंग के छोटे से कारोबार से कमाई बहुत कम होती थी, ऐसे में अपनी ज़रूरतों को पूरा करना और अपने बच्चे को अच्छी शिक्षा देना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। वह अपना कारोबार बढ़ाना चाहती थीं, लेकिन पैसे की कमी के चलते ऐसा नहीं कर पा रही थीं। तभी उनके एक दोस्त ने उनके क्षेत्र में काम करने वाली एक नॉन-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी माइक्रोफाइनेन्स इन्सटीट्यूशन-अधिकार माइक्रोफाइनेन्स के बारे में जानकारी दी। ऋण अनुमोदन की पारदर्शी प्रक्रिया को समझने के बाद वे तुरंत इस ग्रुप के साथ जुड़ गईं। उन्होंने सबसे पहले रु 20000 का ऋण लिया और अपना कारोबार बढ़ाया। लक्ष्मी को अधिकार ग्रुप की ओर से वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण प्रोग्राम में हिस्सा लेने का मौका मिला, जिससे वे धन के बेहतर प्रबंधन के बारे में सीख पाईं। आज वे एक बेहतर जीवन जी रही हैं और अधिकार से एक और ऋण लेकर उन्होंने अपना टेलरिंग का कारोबार बढ़ा लिया है।

लक्ष्मी की तरह कई और महिलाएं हैं जो अधिकार माइक्रो फाइनेन्स के साथ जुड़ने के बाद लाभान्वित हुई हैं।



कंपनी छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तीकरण में मुख्य भूमिका निभा रही है। लोगों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर अधिकार 2.5 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुकी है। हाल ही में हुए एक मूल्यांकन के अनुसार यह संगठन 25,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को अपनी सेवाएं प्रदान कर चुका है और तीन राज्यों-उड़ीसा, गुजरात, छत्तीसगढ़ एवं आसाम के 22 जिलों में संवेदनशील परिवारों को अपनी सेवाएं प्रदान कर चुका है। कंपनी वर्तमान में 1000 करोड़ रु से अधिक का कुल ऋण वितरित कर चुकी है और उन लोगों को वित्तीय सेवाओं से लाभान्वित कर चुकी है जो आज भी बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं।

Publication	Vishwa Pariwar
Edition	Chhattisgarh (Jagdalpur)
Date	10 th May, 2019
Page No.	06

माइक्रोफाइनेन्स महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

जगदलपुर: लक्ष्मी ठाकुर बस्तर जिले के तितिरगांव में हल्बापारा कालीपुर की निवासी हैं और स्टेशनरी एवं टेलरिंग का कारोबार चलाती हैं। अपने पति से अलग होने के बाद लक्ष्मी को आर्थिक तंगी से जूझना पड़ा। टेलरिंग के छोटे से कारोबार से कमाई बहुत कम होती थी, ऐसे में अपनी ज़रूरतों को पूरा करना और अपने बच्चे को अच्छी शिक्षा देना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। वह अपना कारोबार बढ़ाना चाहती थीं, लेकिन पैसे की कमी के चलते ऐसा नहीं कर पा रही थीं। तभी उनके एक दोस्त ने उनके क्षेत्र में काम करने वाली एक नॉन-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी माइक्रोफाइनेन्स इन्सटीट्यूशन- अधिकार माइक्रोफाइनेन्स के बारे में जानकारी दी। ऋण अनुमोदन की पारदर्शी प्रक्रिया को समझने के बाद वे तुरंत इस ग्रुप के साथ जुड़ गईं। उन्होंने सबसे पहले रु 20000 का ऋण लिया और अपना कारोबार बढ़ाया। लक्ष्मी को अधिकार ग्रुप की ओर से वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण प्रोग्राम में हिस्सा लेने का मौका मिला, जिससे वे धन के बेहतर प्रबंधन के बारे में सीख पाईं। आज वे एक बेहतर जीवन जी रही हैं और अधिकार से एक और ऋण लेकर उन्होंने अपना टेलरिंग का कारोबार बढ़ा लिया है। लक्ष्मी की तरह कई और महिलाएं हैं जो अधिकार माइक्रो फाइनेन्स के साथ जुड़ने के बाद लाभान्वित हुई हैं। कंपनी छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तीकरण में मुख्य भूमिका निभा रही है। लोगों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर अधिकार 2.5 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुकी है।

Publication	Samvet Shikhar
Edition	Chhattisgarh (Jagdalpur)
Date	10 th May, 2019
Page No.	09

माइक्रोफाइनेंस महिला उद्यमियों को दे रहा है सहयोग

जगदलपुर। लक्ष्मी ठाकुर बस्तर जिले के तितिरगांव में हल्बापारा कालीपुर की निवासी हैं और स्टेशनरी एवं टेलरिंग का कारोबार चलाती हैं। अपने पति से अलग होने के बाद लक्ष्मी को आर्थिक तंगी से जूझना पड़ा। टेलरिंग के छोटे से कारोबार से कमाई बहुत कम होती थी, ऐसे में अपनी जरूरतों को पूरा करना और अपने बच्चे को अच्छी शिक्षा देना उनके लिए मुश्किल हो रहा था। वह अपना कारोबार बढ़ाना चाहती थीं, लेकिन पैसे की कमी के चलते ऐसा नहीं कर पा रही थीं। तभी उनके एक दोस्त ने उनके क्षेत्र में काम करने वाली एक नॉन-बैंकिंग फाइनेन्शियल कंपनी माइक्रोफाइनेन्स इन्सटीट्यूशन-अधिकार माइक्रोफाइनेन्स के बारे में जानकारी दी। ऋण अनुमोदन की पारदर्शी प्रक्रिया को समझने के बाद वे तुरंत इस ग्रुप के साथ जुड़ गईं। उन्होंने सबसे पहले रु 20000 का ऋण लिया और अपना कारोबार बढ़ाया। लक्ष्मी को अधिकार ग्रुप की ओर से वित्तीय साक्षरता प्रशिक्षण प्रोग्राम में हिस्सा लेने का मौका मिला, जिससे वे धन के बेहतर प्रबंधन के बारे में सीख पाईं। आज वे एक बेहतर जीवन जी रही हैं और अधिकार से एक और ऋण लेकर उन्होंने अपना

टेलरिंग का कारोबार बढ़ा लिया है।

लक्ष्मी की तरह कई और महिलाएं हैं जो अधिकार माइक्रो फाइनेन्स के साथ जुड़ने के बाद लाभान्वित हुई हैं। कंपनी छत्तीसगढ़ में महिला सशक्तीकरण में मुख्य भूमिका निभा रही है। लोगों को आसान ऋण सुविधाएं उपलब्ध कराकर अधिकार 2.5 लाख से अधिक लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव पैदा कर चुकी है। हाल ही में हुए एक मूल्यांकन के अनुसार यह संगठन 25,000 से अधिक स्वयं सहायता समूहों को अपनी सेवाएं प्रदान कर चुका है और तीन राज्यों-उड़ीसा, गुजरात, छत्तीसगढ़ एवं आसाम के 22 जिलों में संवेदनशील परिवारों को अपनी सेवाएं प्रदान कर चुका है। कंपनी वर्तमान में 1000 करोड़ रु से अधिक का कुल ऋण वितरित कर चुकी है और उन लोगों को वित्तीय सेवाओं से लाभान्वित कर चुकी है जो आज भी बैंकिंग सेवाओं से वंचित हैं। एक स्व-विनियामक संगठन तथा माइक्रो-फाइनेन्स उद्योग के औद्योगिक संगठन, माइक्रो-फाइनेन्स इन्सटीट्यूशन नेटवर्क के अनुसार महिलाएं देश में सूक्ष्म-ऋण लाभार्थियों का 99 फीसदी हिस्सा बनाती हैं।